>

Title: Need to take steps for setting up of a petroleum refinery in Rajasthan.

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा (दौसा): राज्य में खनिज तेल व प्राकृतिक गैस के विशाल भण्डार मिले हैं । यहां खनिज तेल का उत्पादन 29 अगस्त, 2009 को प्रारंभ हुआ । वर्तमान में 1,25,000 बैरल्स प्रतिदिन हो जायेगा। देश के बड़े राज्यों में राजसान एक मात्र ऐसा राज्य है, जहाँ रिफाईनरी नहीं है । यहां के लोगों की अपेक्षा है कि राज्य में शीघ्र ही रिफाईनरी स्थापित हो ताकि राज्य के निवासियों को मूल्य संवर्धन तथा रोजगार का लाभ मिल सके । राज्य सरकार द्वारा सेवानिवृत तत्कालीन केन्द्रीय पेट्रोलियम सचिव श्री एस.सी. त्रिपाठी की अध्यक्षता में एक विशेÂाज्ञ समिति गठित की गयी थी । समिति ने बाड़मेर में प्रथम चरण में 4.5 से 6 मिलियन टन वार्Âिाक क्षमता की रिफाईनरी स्थापित करने की अनुशंसा की।

राज्य सरकार द्वारा त्रिपाठी कमेटी की सभी अनुशंसाएं मान ली गई हैं तथा ओ.एन.जी.सी. द्वारा चाही गई अतिरिक्त वित्तीय रियायतें भी देने की पेशकश की है । राज्य सरकार द्वारा 7 फरवरी, 2011 को बीपीसीएल के साथ रिफाईनरी उत्पादों के विपणन हेतु एम.ओ.यू. निÂपादित किया गया है । राजस्थान सरकार द्वारा केन्द्रीय वित्त मंत्री को पत्र लिखकर राजस्थान रिफाईनरी को उत्पाद शुल्क में 50 प्रतिशत छूट देने का आग्रह किया गया है । इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड ने राज्य सरकार के साथ रिफाईनरी परियोजना में सहभागिता की पेशकश की है ।

अतः केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय राजस्थान रिफाईनरी को बाड़मेर ब्लॉक से कच्चा तेल खरीदने हेतु नामित करें तथा क्रूड उत्पादन 4.5 एम.एम.टी.पी.ए. से कम होने की स्थिति में आयात हेतु बाडमेर-सलाया पाइन लाइन के उपयोग की स्वीकृति प्रदान करें । केन्द्रीय पेट्रोलियम मंत्रालय ओ.एन.जी.सी. को मुख्य प्रमोटर (69 प्रतिशत सहभागिता) के रूप में बाडमेर रिफाईनरी स्थापित करने को कहे । राज्य सरकार 26 प्रतिशत सहभागिता इंजीनियर्स इण्डिया लिमिटेड द्वारा की जायेगी ।